अध्यक्ष डिटयर एफ.उकडॉफ द्वारा
प्रथम अध्यक्षता में द्वितीये सलाहकार

उसकी विनम्र बाहों के घेरे में

कई अन्य लोगों की तरह, मैं कई बार सुंदर कला और संगीत से प्रेरित हुआ हूं। एक ऐसा ही अवसर था जब मैं एक दानिश कलाकार फ्रांस क्षवाज द्वारा बनाई गई एक कुशल चित्रकारी शीर्षक द ऐगनी इन दा गार्डन के सामने खडा था।

यह पीडा से भरी सुंदर चित्रकला उद्धारकर्ता को गतसमनी के बाग में घुटनों पर दर्शाती है। जैसे ही वह प्रार्थना करते है, एक स्वर्गदूत उनके साथ खडा होता है, उन्हें अपनी निर्मल बाहों में लिपटाये हुये, सांत्वना, स्वर्गीय सहायता और सहारा देते हुए।

जितना अधिक मैं इस चित्रकला पर विचार करता, उतना ही अधिक मेरा मन और दिमाग प्रफुल्लित हो जाता कोमलता और आभार की अर्वनीय भावनाओं से। मैं महसूस कर सकता हूं, छोटे भाग में, कैसा लगा होगा उपस्थित होकर उद्धारकर्ता को अपने नश्वरता के महान ऊंचे कार्य को शुरू कर इस संसार के पापों को अपने ऊपर ले। मैं अचंभित हूं उस असीम प्रेम और करूणा का जो पिता का अपने बच्चों के प्रति है। मैं अभिभूत हूं परम आभार से जो की पुत्र ने सम्पूर्ण मानवजाति और मेरे लिए किया।

परमेश्वर के पुत्र का बलिदान

हर वर्ष के इस समय में हम यीशु मसीह के बलिदान का स्मरण और विचार करते है जो की मानवजाति के लिए दिया गया।

जो उद्धारकर्ता ने गैत्सेमनी से गोलगथा तक हमारी ओर से किया वह मेरी योग्यता कि पकड से परे है। उसने अपने ऊपर हमारे पापों के बोझ को ले लिया और एक अनंत और बाध्यकारी मूल्य ना केवल आदम के प्रारंभिक अपराध का परंतु उन अरबों पर अरबों आत्माओं के पापों और अपराधों का भी चुकाया जो कि कभी जीवित थी।

उसने मेरे लिए कष्ट सहा।

उसने आपके लिए कष्ट सहा।

मेरी आत्मा आभार से उमड उठती है जब मैं इस बलिदान के अनमोल अर्थ को विचारता हूं। यह मुझे नम्र करता है यह जानने में की जो भी इस भेंट को स्वीकार और अपने मनों को उसकी ओर झुकाता है उसे अपने पापों से क्षमा और शुद्धी मिल सकती है, भले ही उनके धब्बे कितने ही काले या उनके बोझ कितने ही अत्याचारपूर्ण रहे हो।

हम एक बार फिर से स्वच्छ और निर्मल हो सकते है। हम अपने प्रिय उद्धारकर्ता के अनन्त बलिदान के द्वारा मुक्त हो सकते है।

हमें कौन सांत्वना देगा ?

यदयपि हम में से किसी को कभी भी हमारे प्रभु की पीडा की गहराई को अनुभव नही करना पडेगा, हम में से हर एक के अपने अंधकार और कडवे भरे क्षण होंगें - वह समय जब हमारे दुख और विपत्ति हमारी सहन शक्ति से अधिक दिखाई देंगें। ऐसा भी समय होगा जब हमारे पापों का बोझ और पछतावा हम पर निर्दयता से दबाव डालेगा।

तब भी, यदि हम अपने मनों को प्रभु की ओर उस समय में उठाते है, निश्चय ही वह हमें जानेगा और समझेगा। वो जिसने निस्वार्थ हमारे लिए बाग और क्रूस पर पीडा को सहा हमें अब सांत्वना दिये बिना नही छोडेगा। वह हमें शक्ति,प्रोत्साहन और आशीष देगा। वह हमें अपनी विनम्र बाहों के घेरे में ले लेगा।

वह हमारे लिए एक स्वर्गदूत से बड कर होगा।

वह हमारे लिए आशीषित आराम,चंगाई,आशा और क्षमा लाऐगा।

वह हमारा मुक्तिदाता है।

हमारा तारक।

हमारा दयालु उद्धारकर्ता और हमारा धन्य परमेश्वर

टिप्पणी

१. वह याचक जो फ्रांस क्षवारज के शवदाह पर बोले कहां ,"उसकी कला दैवीय संपन्न और कई धर्मोपदेशोंसे योग्य प्रतीत होती थी।" (Emmilie Buchanan-Whitlock, "History of Artists' Lives Gives Greater Context for Exhibit," *Deseret News*, Sept. 29, 2013, deseretnews.com).

इस संदेश से शिक्षा

सीखाने से पहले, ढूंढे पवित्र आत्मा के निर्देशन कि मदद से आप समझे उन लोगो की विशिष्ट अवश्यकता को जिन्हें आप सीखाते है। जैसे कि आप अध्यक्ष उकडॉर्फ के खंड को बांटे, गवाही दे उद्धारकर्ता और उसके मुक्ति के बलिदान की। गौंर कर जिन्हें आप सीखाये

उन से पूछे कि उसका बलिदान उनके लिए क्या अर्थ रखता है और उन्हें कैसे प्रभु की सांत्वना महसूस हुई है अपने ''अंधकार और कडवे क्षणों'' के दौरान ।

युवा

यीशु मसीह द्वारा विजय

नाम रोक लगाना

मेरी एक समस्या जरूरत से ज्यादा खा लेना थी । परिणामस्वरूप मेरा बार बार भर कर खा लेना दोष, निष्फलता, और निराशा का एक शोकजनक समूह था । मैं बहुत कमजोर महसूस करता जब भी मैं अपनी समस्या पर काबू पाना चाहता था ।

बहुत लंबे समय तक मैंने उद्धारकर्ता के बलिदान के तथ्य को उपेक्षित किया जो ना केवल हमें बचाता है परंतु हमें मुक्ति और हमें उतम भी करता है, और यह जाहिर है मेरी अपूर्ण ज्यादा खाने की आदत पर भी लागू होता था।

मैनें अपने आपको उद्धारकर्ता को देने का निर्णय किया । मैनें प्रार्थना की । मैंनें ईमानदारी से अपनी कमजोरी को स्वीकार किया और मेरी दया की आवश्यकता को, और फिर मैनें स्वर्गीय पिता से अपने लिए उनकी ईश्वरीय सहायता की आशीष मांगी । उस रात मुझे एक स्नेही पिता का आश्वासन महसूस हुआ कि वह अपने पुत्र की मदद करने कि आसीमित इच्छा रखते है और निर्विवाद शक्ति उसकी इच्छा पूर्ण करने कि रखते है ।

उस रात के पश्चात,भोजन का अब मेरे ऊपर पहले सा भारी प्रभाव नही रहा । मैं जानता हूं मेरी सफलता का कारण यीशु मसीह हैं । पालुस की तरह, मैं सीख रहा हूं कि ''जो मुझे शक्ति देता है ,उसके द्वारा मैं सभी परिस्थितियों का सामना कर सकता हूं ।(फिलिप्पियों 4:13) और मैं कोशिश कर रहा हूं पालुस कि दूसरी सीख को ना भूलने की '' किन्तु परमेश्वर का धन्यवाद है जो प्रभु यीशु मसीह के द्वारा विजय दिलाता है।''(1 कुरिन्थियों 15:57)

बच्चें

उद्धारकर्ता आपको सान्त्वना देगा

एक ऐसे समय के बारे में किसी घर के सदस्य या मित्र से पूछे जब उन्होनें उद्धारकर्ता द्वारा सांत्वना को महसूस किया । ऐसे समय के बारे में सोचे जब उद्धारकर्ता ने आपको सांत्वना दी । आप अपने अनुभव का चित्र बना सकते है और उसे अपने बिस्तर के पास टांग सकते है यह याद दिलाने के लिए की वह आपको सांत्वना देने के लिए हमेशा होंगें ।

© 2015 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/14 । अनुवाद अनुमतिः 6/14 । *First Presidency Message, March 2015* का अनुवाद । Hindi । 12583 294

यीशु मसीह के गुण : लंबी पीडा और धैर्य

प्रार्थनापूर्वक इस सामाग्री को पढ़ें और क्या बांटना है को जानने के लिये खोजें ।उद्धारकर्ता का जीवन और सेवाकाई की समझ कैसे आपके विश्वास का बढ़ाता और उन्हें आशीष देता है जिनका आप भेंट करने वाला शिक्षका के द्वारा ध्यान रखते हैं ? अधिक जानकारी के लिए पर जाएं **reliefsociety.lds.org *पर जाएं ।***

विश्वास, परिवार, सहायता

भेंट करने वाला शिक्षा संदेश का यह उद्धारकर्ता के सेवाकाई के पहलुओं का वर्णन करने की श्रंखला का एक भाग है ।

धैर्य को अक्सर एक मन्द निष्क्रीय विशेषता समझा जाता है, परंतु जैसे की अध्यक्ष डिटयर एफ.उकडॉफ ,प्रथम अध्यक्षता में द्वितीये सलाहकार, ने कहां,''धैर्य एक निष्क्रीय पदत्याग नहीं हैं, ना ही यह एक । धैर्य का अर्थ है सक्रिय प्रतीक्षा और निरन्तर सहना। इसका अर्थ है किसी के साथ रहना...यहां तक कि जब हमारे मनों की इच्छाऐं भी विलंबित हो जाऐं । धैर्य केवल निरन्तर सहना ही नहीं; उचित रूप से निरंतर सहना ।

हमारे पहले के जीवन में, हमारे स्वर्गीय पिता ने हमारे लिए एक योजना तैयार कि—उसके आत्मिक बच्चे—और हम खुशी से चिल्लाये इस धरती पर आने के अवसर को प्राप्त कर ।(देखें जोब 38:7) जैसे कि हम चुनाव करते है इस सांसारिक जीवन में एक पंक्ति में अपनी इच्छा को उसके साथ ,वह'' कई आत्माओं के उदधार के लिए मैं तुम्हें अपने(उसके) हाथों का औजार (हमें) बनाऊंगा ।''(अलमा 17:11)

अध्यक्ष उकडॉर्फ ने जारी रखा,'' धैर्य का अर्थ स्वीकार करना है वह जो बदला नही जा सकता और उसका साहस,दया और विश्वास से सामना करना है। इसका अर्थ बनना,''परिपूर्ण हो कर उन सारी बातों को जिन्हें प्रभु उनके लाभ के लिए लागू करता है, जैसे एक बच्चा अपने पिता की बातों को स्वीकार करता है ।''(मुसायाह 3:19) अंतत धैर्य का अर्थ है ,''दृढ और स्थिर, और प्रभु के आदेशों के पालन करने में अडिग बने रहो।(1 नफी 2:10) हर दिन के हर घंटे में,जब ऐसा करना भी कठिन हो ।''

अतिरिक्त धर्मशास्त्रों से

भजनसहिता 40:1; गलतीयों 5:22–23; 2 पतरस 1:6; आलमा 17:11

धर्मशास्त्रों में से

धर्मशास्त्र बताते है की हमारे संसारिक जीवन में, हमें दुख में धैर्य रखना है,क्योंकि (हमारे पास) बहुत होगें । परमेश्वर हमें फिर यह वादा देता है,'' टिके रहो, क्योंकि,मैं तुम्हारे साथ हूं, अंतिम दिनों तक ।''(सि और अन 24:8)

निम्नलिखित बाईबल की कहानी धैर्य और विश्वास का एक उदाहरण है ।

और एक स्त्री ने जिस को बारह वर्ष से लोहू बहने का रोग था....उसने वस्त्र के आंचल(मसीह) को छुआ और तुरंत उसका लोहू बहना थम गया ।

और यीशु ने कहां ....किसी ने मुझे छुआ है क्योंकि मैंनें जान लिया है कि मुझ में से सामर्थ निकली है ।

जब स्त्री ने देखा, कि मैं छिप नही सकती, तब कांपती हुई आई और उसके पांवो पर गिर कर सब लोगों सामने बताया ,कि मैं ने किस कारण से तुझे छूआ और क्योंकर तुरंत चंगी हो गई ।

और उसने उस से कहां, बेटी, तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है,कुशल से चली जा । (लूका 8:43–48)

उसकी तरह, हम आशीषों और सांत्वना को पा सकते हैं,और चंगाई को भी, जैसे की हम यीशु मसीह तक पहुंचते है— उनका बलिदान हमें चंगा कर सकता है ।

टिप्पणी

१. ।डिटयर एफ.उकडॉफ , ''Continue in Patience,'' *Liahona,* May 2010, 57, 59.

गौर करें

लूका 8 के विवरण से , कैसे इस स्त्री को इतने वर्षों के धैर्य और फिर उसका यीशु मसीह में विश्वास का प्रतिफल मिला ?

© 2015 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/14 । अनुवाद अनुमतिः 6/14 । *Visiting Teaching Message, March 2015* का अनुवाद । Hindi । 12583 294